दिगंत

ई-पत्रिका :फरवरी-2022

'नैक' प्रत्यायित

दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय

सिविल लाइन्स, गोरखपुर-273001

website : www.dnpgcollege.edu.in

दिगंत-ई-पत्रिका:जनवरी- 2022

संरक्षक मण्डल

परमपूज्य गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ जी महाराज

मुख्य संरक्षक

प्रो.उदय प्रताप सिंह

अध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

श्री प्रमोद कुमार चौधरी

उपाध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

सम्पादक मण्डल

प्रो. ओम प्रकाश सिंह, प्राचार्य

प्रधान सम्पादक

1. **डॉ. सुभाष चन्द्र,** सहायक आचार्य, बी.एड. विभाग
2. **डॉ. विभा सिंह,** सहायक आचार्य, हिन्दी विभाग
3. **डॉ. प्रियंका सिंह,** सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान विभाग
4. **श्री अश्वनी कुमार श्रीवास्तव,** तकनीकी सहायक

प्राचार्य की कलम से.....

अत्यन्त हर्ष का विषय है कि शिक्षा, संस्कृति और राष्ट्रीयता की त्रिवेणी प्रसारित करने के दिव्य संकल्प के साथ वर्ष 1969 में स्थापित दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर ई–पत्रिका दिगंत के नवीन संस्करण का प्रकाशन कर रहा है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में शैक्षिक पुनर्जागरण के उद्देश्य से श्री गुरू गोरक्षनाथ मन्दिर ने सन् 1932 ई. में गोरखपुर में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना की थी। वर्तमान में यह परिषद हमारे परम् पूज्य गोरक्षपीठाधीश्वर महंत योगी आदित्यनाथ जी महाराज के नेतृत्व एवं कुशल मार्गदर्शन में शिक्षा के क्षेत्र में विकास के नये कीर्तिमान स्थापित कर रही है। शहर के हृदय स्थल में स्थित दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर अपने संस्थापको द्वारा देखे गये शैक्षिक पुनर्जागरण के स्वप्न को साकार करने की दिशा में निरन्तर संकल्पबद्ध है। इस संस्था का उद्देश्य ऐसे योग्य, चरित्रवान एवं समर्पित आदर्श नागरिकों का निर्माण करना है, जिनके द्वारा भारतीय संस्कृति के सनातन आध्यात्मिक मूल्यों एवं परम्पराओं को निरन्तर सम्पोषित एवं संवर्द्धित करते हुए एक सशक्त, समर्थ एवं समृद्ध राष्ट्र की स्थापना का स्वप्न साकार हो सके। हमारा संकल्प है कि भारत अपनी ज्ञान परम्परा की विरासत के प्रकाशन से पुनः विश्व गुरू के पद पर प्रतिष्ठित हो सके। शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण की दिशा में सतत, प्रयत्नशील इस महाविद्यालय ने विगत वर्ष नैक प्रत्यायन में B++ ग्रेडिंग प्राप्त की है और मेरा विश्वास है कि प्रत्यायन के अगले चरण में महाविद्यालय को निश्चित रूप से A+ ग्रेड प्राप्त महाविद्यालयों की श्रेणी में गिना जायेगा। शिक्षण एवं अनुशासन इस महाविद्यालय की गौरव गाथा का कीर्ति पठन–पाठन के अतिरिक्त यह संस्था विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए निरन्तर अकादमिक, सामाजिक एवं बौद्धिक कार्यक्रमों, परिचर्चाओं, संगोष्ठियों एवं कार्यशालाओं का आयोजन करती रहती है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन की दृष्टि से महाविद्यालय की एक समृद्ध परम्परा रही है। महाविद्यालय के पुरातन छात्रों एवं अभिभावकों के अनुभवों एवं संस्था की बेहतरी के लिए समय–समय पर प्राप्त सुझावों एवं मार्गदर्शन से लाभान्वित होते हुए यह संस्था आज गोरखपुर शहर के एक श्रेष्ठ उच्च शिक्षण संस्थान के रूप में जानी जाती है। हमने 'स्वच्छ भारत–श्रेष्ठ भारत' के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ते हुए विद्यार्थियों के साथ–साथ प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों के लिए अनुकूल वातावरण, हरे–भरे स्वच्छ परिसर की स्थापना का प्रयास किया है।

मेरा विश्वास है कि शिक्षा वह प्रकाशपुंज है जिसके आलोक से प्रकाशित होते हुए व्यक्ति एवं समाज दोनो ही राष्ट्र निर्माण में अपना बहुमूल्य योगदान दे सकते है और जीवन में आने वाली बड़ी से बड़ी चुनौतियों का धैर्य पूर्वक सामना कर सकते हैं। दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर शिक्षा के माध्यम से भारत राष्ट्र के सनातन मूल्यों, विचारों एवं महान सांस्कृतिक परम्पराओं के उन्नयन, सम्पोषण एवं संवर्द्धन की दिशा में सतत प्रयत्नशील हो, यही मेरी हार्दिक इच्छा है और शुभकामना भी।

प्रो.ओम प्रकाश सिंह
प्राचार्य

'प्रो.मानवेन्द्र प्रताप सिंह' स्मृति व्याख्यान का आयोजन

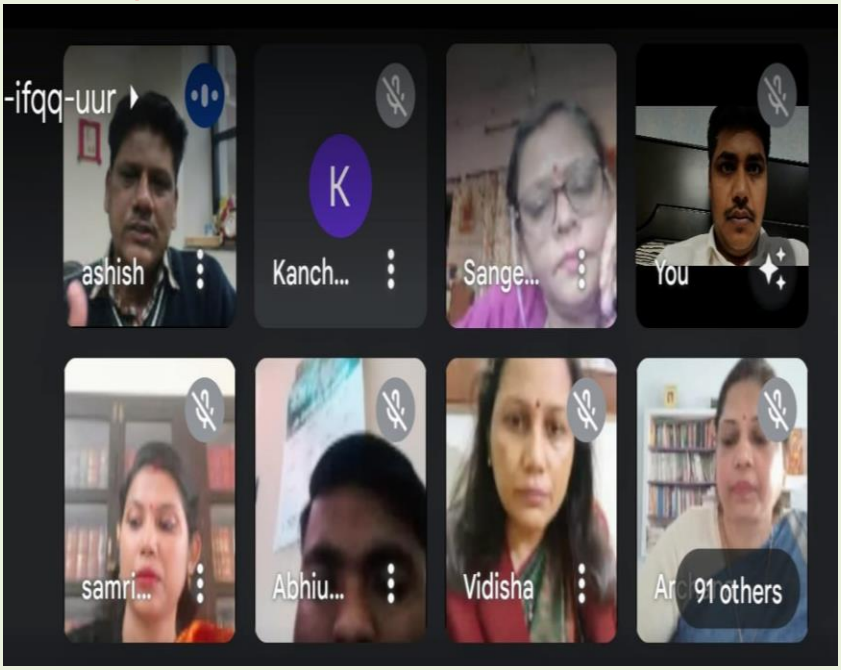

दिनांक 11 फरवरी 2022 को समाजशास्त्र विभाग के द्वारा 'प्रो. मानवेन्द्र प्रताप सिंह' स्मृति व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसका शीर्षक 'डेवलेपमेंट डिसकोर्स इन इंडिया : इस्यूज एंड कंसर्न्स' था। आयोजन मे मुख्य वक्ता के रूप मे प्रो. दीप्ती रंजन साहू कोआर्डिनेटर समाजशास्त्र विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय रहीं। विशिष्ट वक्ता के रूप मे प्रो. आशीष सक्सेना, अध्यक्ष समाजशास्त्र विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. संगीता पाण्डेय, अध्यक्ष समाजशास्त्र विभाग, दी. द. उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर ने की।

इस अवसर पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रो. आशीष सक्सेना ने कहा कि उत्तर प्रदेश समाजशास्त्र परिषद की स्थापना में प्रो. मानवेन्द्र सिंह का अहम योगदान था। मुख्य वक्ता प्रो. डी. आर. साहू ने कहा कि हमे वीकर सेक्शन वेलफेयर, वूमेन वेलफेयर और वर्क पर ध्यान देना होगा। आभार ज्ञापन महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह, एवं संचालन समाजशास्त्र विभाग की एसोसिएट प्रो. डॉ. अर्चना सिंह द्वारा किया गया।

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना, एन.सी.सी. एवं रोवर–रेंजर्स के तत्वावधान में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके छात्र/छात्राओं को मतदान के प्रति जागरूक किया गया । छात्रों ने यह संकल्प लिया कि जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्रवाद आदि से उपर उठकर मतदान करेंगे। इसके साथ ही छात्रों ने स्टेशन रोड स्थित मतदाताओं को मतदान के लिए जागरूक भी किया।

इस कार्यक्रम में 400 से अधिक छात्र/छात्राओं, स्वयंसेवकों एवं एन.सी.सी. कैडेट के अतिरिक्त महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

उक्त अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओ.पी. सिंह ने छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा कि हम अपना पड़ोसी तो नहीं बदल सकते लेकिन भारतीय लोकतंत्र यह अधिकार देता है कि हम इस देश के भविष्य को बदल सकते हैं। इसके लिए हमें स्वस्थ मतदान करना होगा।

बी.एड्. विभाग द्वारा मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

महाविद्यालय के बी.एड विभाग द्वारा 28 फरवरी 2022 को मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ ओमप्रकाश सिंह ने मतदान की आवश्यकता पर बल देते हुए लोकतंत्र में मतदाता की भागीदारी को सुनिश्चित करने का संदेश दिया। मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने हेतु एवं उन्हें जागरूक करने हेतु रैली निकाली जिसका शुभारंभ प्राचार्य जी द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया । रैली महाविद्यालय के प्रांगण से प्रारंभ होकर इंदिरा बाल बिहार, कचहरी चौराहे से हरिओम नगर तिराहा होते हुए दोबारा महाविद्यालय पहुंचकर समाप्त हुई। इस रैली के माध्यम से बी.एड. द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न नारों, पोस्टर एवं बैनर के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया ।

दिनांक 28 फरवरी 2022 की बी.एड. विभाग द्वारा पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर बी.एड. द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा पर्यावरण जागरूकता अभियान चलाया गया जिसमें विभिन्न विषयों एवं मुद्दों जैसे जल संरक्षण, वृक्षारोपण, सतत विकास, ओजोन संरक्षण, वायु प्रदूषण, जैव विविधता संरक्षण आदि विषयों पर रैली का आयोजन कर लोगो को जागरूक किया गया ।